उचित छानबीन प्रक्रिया

विधिक तौर पर उचित छानबीन में सम्मिलित चरण

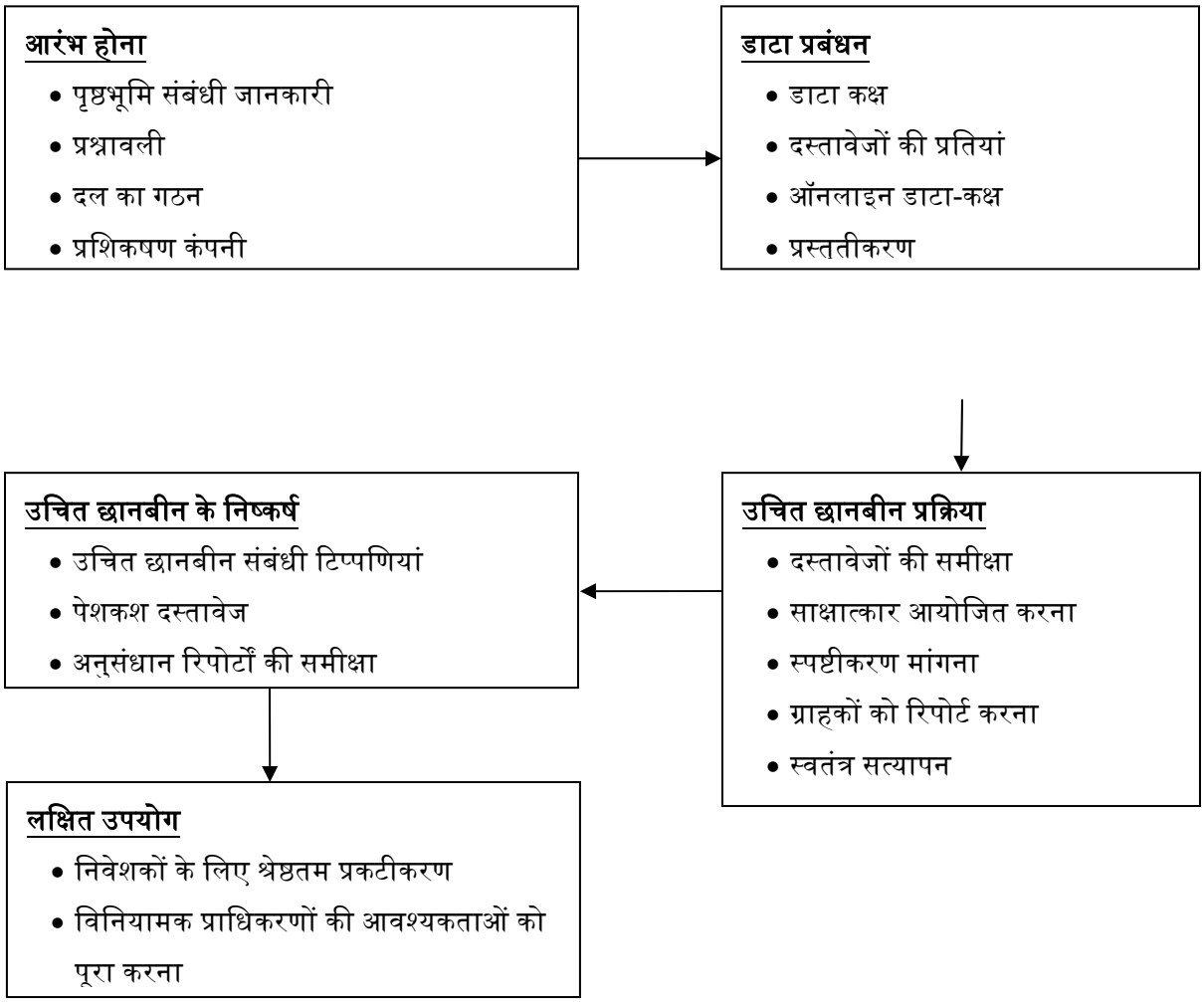

मामले	वर्णन
उचित छानबीन का परिचय	उचित छानबीन गहन और वस्तुपरक जांच की प्रक्रिया है जो निगमित कंपनियों द्वारा बड़े सौदे जैसेकि विलय और अधिग्रहण, नए स्टॉक या अन्य प्रतिभूतियां जारी करने, परियोजना वित्त, प्रत्याभूति आदि से पहले संपन्न की जाती है। उचित छानबीन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य अज्ञात देयताओं या जोखिमों की संभावना को अधिकतम व्यावहारिक सीमा तक कम करना है। यह कार्रवाई बहु-आयामी है और इसमें निर्गमकर्ता के

	कारोबार, कर, वित्तीय स्थिति, लेखांकन तथा विधिक पहलुओं की जांच पड़ताल शामिल है।

भारत के अंदर उचित छानबीन	• भारत के अंदर औपचारिक उचित छानबीन करने की परिपाटी हाल ही में आरंभ हुई है और मुख्य तौर पर यह वर्ष 1991 के आर्थिक उदारीकरण सुधारों के बाद विदेशी निवेशकों/उनके विधिक और वित्तीय सलाहकार द्वारा एक प्रक्रिया के रूप में आयात की गई थी। • किसी भी विधान में 'उचित छानबीन' शब्द की परिभाषा नहीं दी गई है। फिर भी सेबी के अनुसार कुछ पार्टियों के लिए किसी कंपनी द्वारा प्रतिभूतियां जारी करने के परिप्रेक्ष्य में उचित छानबीन किया जाना अनिवार्य है। उदाहरणार्थः ○ आईसीडीआर विनियमों के अध्याय VI के विनियम 64 में यह अपेक्षित है कि बीआरएलएम द्वारा उचित छानबीन की जाए और वे स्वयं को निर्गम के सभी पहलुओं के बारे में संतुष्ट करें। बीआरएलएम के लिए यह भी अपेक्षित है कि निर्गमकर्ता, उसके प्रवर्तकों या बिक्री की पेश्काश के मामले में बिक्रीकर्ता शेयरधारकों से मिलें ताकि उनके द्वारा पेशकश दस्तावेज में यथा-प्रकटीकृत उनकी उत्तरदायित्वों की पूर्ति की जा सके। ○ विनियम 65 में अपेक्षित है कि बीआरएलएम निर्गम-पश्चात एक रिपोर्ट सेबी को प्रस्तुत करे। बीआरएलएम के लिए यह भी अपेक्षित है कि अंतिम निर्गम-पश्चात रिपोर्ट के साथ अनुसूची VI के परिपत्र 6 में विनिर्दिष्ट प्रारूप के अनुसार एक उचित जांच प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें (विनियम 65(3))। ○ विनियम 83 के अधीन किसी अहर्ताप्राप्त संस्थान व्यवस्था की प्रबंध व्यवस्था सेबी के पास पंजीकृत उन बीआरएलएम द्वारा की जाएगी जो उचित छानबीन का कार्य करेंगे। बीआरएलएम के लिए अहर्ताप्राप्त संस्थान व्यवस्था के अधीन जारी की गई पात्र प्रतिभूतियों के पंजीकरण के लिए सिद्धांत रूप से अनुमोदन प्राप्त करते समय प्रत्येक उस स्टॉक एक्सचेंज, जहां निर्गमकर्ता के उसी श्रेणी के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं, को इस आशय का एक उचित छानबीन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित है कि पात्र प्रतिभूतियां अहर्ताप्राप्त निर्गमकर्ता व्यवस्था के अधीन जारी की जा रही हैं। ○ निर्गम के खुलने से पहले बीआरएलएम के लिए यह अपेक्षित है कि वे सेबी को मसौदा पेशकश दस्तावेज के साथ उचित छानबीन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। ○ विनियम 8(2)(ख) के अधीन अग्रणी बैंकर के लिए यह अपेक्षित है कि सेबी द्वारा टीका-टिप्पणियां जारी करने के बाद या यदि सेबी ने टीका-टिप्पणियां जारी नहीं की हैं तो निर्धारित अवधि की

	समाप्ति के बाद कंपनियों के पंजीयक के पास प्रोस्पेक्टस के पंजीकरण के समय एक उचित छानबीन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। ○ विनियम 10(3) (क) के अधीन बीआरएलएम के लिए यह अपेक्षित है कि पेशकश दस्तावेज के साथ अतिरिक्त पुष्टिकरणों सहित एक उचित छानबीन प्रमाण पत्र सेबी को प्रस्तुत करे।
छानबीन के प्रकार	उचित छानबीन का दृष्टिकोण सौदे के प्रकार और प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्य पर निर्भर करता है। उचित छानबीन विभिन्न प्रकार की हो सकती है जैसे कि: • वाणिज्यिक उचित छानबीन – उद्योग, बाजार और निर्गमकर्ता के व्यवायिक मॉडल की समीक्षा। • प्रतिष्ठा संबंधी उचित छानबीन – साख, सहयोगिता और व्यक्तिगत प्रतिपक्षों की प्रतिष्ठा का समीक्षा। • हित संबंधी उचित छानबीन – कर, वित्तीय स्थिति, नीतियों और आंतरिक नियंत्रण की समीक्षा। • विधिक उचित छानबीन – उन संभावित मुद्दों की पहचान के लिए दस्तावेजों की समीक्षा, जो (i) सौदे के लिए या (ii) निर्गमकर्ता के सामान्य संचालनों के लिए जोखिम या बाधा हो सकते हैं जिससे मूल्य या सौदे से संबंधित प्रतिफल को प्रभावित कर सकते हैं।
छानबीन "क्यों" की जाए	**सौदे का मूल्यांकन तथा गठन** ○ गठन तथा अभिलेखन से संबंधित मुद्दों की पहचान करना। ○ विधिक तथा संविदात्मक बाधाओं की पहचान करना। **प्रतिवेदनों तथा वारंटियों की पुष्टि/सत्यापन** ○ प्रदान किए जा रहे प्रतिवेदनों तथा वारंटियों के सत्यापन की कार्रवाई आरंभ करना। **व्यसायिक योजना की अभिपुष्टि** ○ उन मुद्दों तथा महत्वपूर्ण क्षेत्रों, जिनका व्यवसायिक योजना में निवारण किया जाना आवश्यक हो, की जांच करना और प्रस्तावित सौदे पर उनके प्रभाव का निर्धारण करना। ○ जोखिमों की पहचान करना, समझना और यदि संभव हो, उनकी मात्रा स्थापित करना और उनको कम करने के लिए रणनीति का विकास करना। **सौदे का प्रबंधन** ○ मुद्दों को हल करने के लिए सुझावों और समाधानों का सूत्रीकरण। ○ अभिज्ञात किए गए जोखिमों पर निर्भर करते हुए ग्राहक को बातचीत के लिए बेहतर स्थिति में लाना या अधिग्रहण की

	लागत को समायोजित करना या वारंटियों और क्षतिपूर्तियों को अनुकूल बनाना।
उचित छानबीन आयोजित करना	○ निर्गमकर्ता द्वारा प्रस्तुतीकरण/पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी। ○ निर्गमकर्ता को एक प्रश्नावली भेजना। ○ उचित छानबीन दल को संगठित करना। निर्गमकर्ता द्वारा एक डाटाकक्ष का सृजन किया जाना (वास्तविक या भौतिक)। ○ अभिलेखन की समीक्षा/प्रबंधन के साथ चर्चा। ○ सौदे की समाप्ति से पहले उचित छानबीन प्रश्नावली या कालों का निपटारा करना।
उचित छानबीन का दायरा	उचित छानबीन का दायरा विशेष रूप से आरंभ किए जाने वाले प्रस्तावित सौदे की प्रकृति पर निर्भर करता है। प्रतिभूतियों संबंधी सौदे में निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य होते हैं:- • पेशकश दस्तावेज या पूर्वक्रय करार में प्रकटीकरण करने के लिए निर्गमकर्ता से संबंधित सभी सामग्रीगत जानकारी प्राप्त करना ताकि निवेशक सही निर्णय ले सकें और विनियामक आवश्यकताएं पूरी कर सकें। • जोखिमों की प्रकृति और उनकी सीमा का पता लगाना और उन्हें उजागर करना। इसके अतिरिक्त उचित छानबीन का दायरा उस अधिकार पर भी निर्भर करता है कि क्या निर्गमकर्ता की संपूर्ण समीक्षा की जाए या इसे मुकदमों, रोजगार आदि जैसे मामलों तक सीमित रखा जाए।
भारत में सूचीबद्ध तथा असूचीबद्ध कंपनियों में छानबीन	• जहां तक जानकारी साझा करने और सौदे के गठन का संबंध है, असूचीबद्ध कंपनियों की तुलना में सूचीबद्ध कंपनियों में अनुपालनों की अधिक गहण समीक्षा तथा अधिक सावधानी की जरूरत होती है। • किसी सूचीबद्ध कपनी के मामले में सेबी (आंतरिक खरीद फरोख्त पर प्रतिबंध) विनियम 1992 के यथा-संशोधित उपबंध लागू होते हैं। उचित छानबीन में कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अप्रकाशित मूल्य संवेदी जानकारी की समीक्षा शामिल नहीं होनी चाहिए। तथापि, सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के साथ हस्ताक्षरित सूचीकरण करार के अधीन सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी किसी निवेश निर्णय का आधार बनाने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती है। इसलिए किसी सूचीबद्ध कपनी के मामले में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि (यदि सलाहकारों और सौदा संबंधी दल के सदस्यों के परामर्श से) यह सुनिश्चित हो सके कि उचित छानबीन प्रक्रिया में आंतरिक खरीद-फरोख्त विनियमों का उल्लंघन न होने पाए। इस मामले पर मामला दर मामला आधार पर कार्रवाई करनी पड़ेगी।

	• सूचीबद्ध कंपनियों के लिए, प्रस्तावित अधिग्रहण या हस्तांतरण के मामले में सेबी (शेयरों का सार्थक अधिग्रहण और अधिकार में लेना) विनियम 1997 के यथा-संशाधित संभावित प्रभावों का विश्लेषण किया जाना आवश्यक होगा।
विधिक उचित छानबीन रिपोर्ट के प्रमुख शीर्ष	 निगमित ढांचा संविदाएं ऋण संपत्ति – वास्तविक तथा बौद्धिक रोजगार तथा बीमा लाइसेंस तथा अनुमोदन
विधिक उचित छानबीन में मोटे तौर पर क्या देखा जाए	निगमित ढांचे में मोटे तौर पर निम्नलिखित दिखाई दे: • कंपनी की शेयरधारिता • प्रतिभूतियों का वैध निर्गम • सौदे से पहले समझौता ज्ञापन में विशेष उपबंध (अर्थात प्रथम अस्वीकृति का अधिकार, भावी प्रतिभूति पेशकश को प्रतिबंधित करने, इसमें भागीदारी करने या अन्यथा प्रभावित करने के प्रति बाकी विकल्प) • सौदे को पूरा करने की कंपनी की शक्तियां • निगमित अनुपालन (समीक्षा बोर्ड, संविदाओं, ऋण, पट्टा, नियुक्ति के प्राधिकार की जांच के लिए शेयरधारकों के कार्यवृत्त, विनियामकों के साथ दस्तावेज दायर करने आदि का निष्पादन) • संविदाओं/संबंधित पक्षों के साथ करारों सहित, वे संविदाएं जिनमें निदेशक, प्रवर्तक या समूह कपनियों, नियंत्रक शेयरधारक और प्रबंधन के प्रमुख व्यक्ति इच्छुक हों। **संविदाएं** • वैधता तथा प्रवर्तिता • सामग्रीगत संविदाओं के अधीन अधिकार तथा उत्तरदायित्व • सौदे के संबंध में अपेक्षित प्राधिकार या सूचनाएं • नवाचार/नियुक्ति के उपबंध • रियायती दरों पर माल/सेवाओं की प्राप्ति या उपबंध • नियंत्रक उपबंधों में परिवर्तन • सामग्रीगत उल्लंघन की मौजूदगी या विचार

	• कथित उल्लंघन के संबंध में नोटिस की प्राप्ति • मुद्रांक छूट • कर विवक्षा • प्रकटीकरण या गोपनीयता प्रतिबंध या अपेक्षाएं **रोजगार** • रोजगार के निबंधन तथा शर्तें • संविदात्मक/विधायी उत्तरदायित्व – रोजगार के निबंधनों को हस्तांतरित/परिवर्तित करना • क्या ठेका मजदूर नियुक्त किए गए हैं – ठेका मजदूरी का पंजीकरण • विभिन्न निधियों (भविष्य निधि, ग्रेचुटी एवं सेवानिवृत्ति) निधियों में भुगतान और निबंधन • यूनियनों तथा वेतन निर्धारण की मौजूदगी • यूनियनों तथा व्यक्तिगत कर्मचारियों के साथ विवाद • कर्मचारी स्टॉक विकल्प या खरीद योजनाओं की मौजूदगी **बीमा** • प्रचलित बाजार परिपाटियों/ऋण के निबंधनों तथा वैधता के अनुसार बीमा कवर की पर्याप्तता • व्यवसायिक अड़चनों के लिए कवर • नियुक्ति के उपबंध या क्षतिपूर्ति भुगतान मे परिवर्तन • प्रत्येक नीति से खंड हटाना • किसी नीति के अधीन किए गए दावे और उन दावों की स्थिति **ऋण** • ऋणों का ब्यौरा (मानक तथा विशेष अवधि) • सुविधाओं के अधीन उत्तरदायित्वों का अनुपालन • परिसंपत्तियों पर प्रभाव तथा उनकी निर्मुक्ति की क्रियाविधि • हस्तांतरण या नियंत्रण हित में परिवर्तन या प्रतिभूति निर्गम के लिए ऋणदाताओं की पूर्व सहमति • गारंटियों की मौजूदगी और हस्तांतरण के बाद, यदि लागू हो, उनकी निरंतरता • सार्वजनिक जमा की मौजूदगी और इस संबंध में लागू विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन • संबंधित पक्षों को प्रदान किया गया या उनसे प्राप्त किया गया ऋण **लाइसेंस तथा अनुमोदन** • लाइसेंसों तथा अनुमतियों की मौजूदगी और उनकी वैधता (पर्यावरणीय कानूनों के अधीन सहित) • मौजूदा लाइसेंसों की पर्याप्तता

	• किसी लाइसेंस में सम्मिलित शर्तों के उल्लंघन के संबंध में प्राप्त कोई नोटिस या लंबित कार्रवाई • लाइसेंस के हस्तांतरण या नियंत्रण उपबंधों के परिवर्तन के लिए क्रियाविधि • निर्गमकर्ता के लिए विनिर्दिष्ट लाइसेंस (आय तथा बिक्रीकर पंजीकरण) बनाम कपनी के व्यवसाय के लिए विनिर्दिष्ट लाइसेंस (अर्थात फैक्टरी अधिनियम के अधीन लाइसेंस) **वास्तविक संपत्ति** • संपत्ति का अधिकार – पूर्ण स्वामित्व वाली या पट्टे पर • जहां संपत्ति पट्टे पर हो वहां पट्टे/छोड़ने तथा लाइसेंस के उपबंध • हस्तांतरण/नियंत्रण उपबंधों में परिवर्तन के लिए पट्टाकर्ता की सहमति की आवश्यकता • पट्टे/लाइसेंस की वैधता/अवधि • अधिकार का पूंजीकरण **बौद्धिक सम्पदा** • बौद्धिक संपदा का स्वामित्व और पंजीकरण (तीसरे पक्ष को प्रदान किए गए या उससे प्राप्त किए गए लाइसेंस की मौजूदगी) • हस्तांतरण से संबंधित मुद्दे • लाइसेंस करार के बाद अधिकार – वैधता तथा हस्तांतरण योग्यता • कंपनी के बौद्धिक संपदा संबंधी अधिकारों या तृतीय पक्ष अधिकारों का उल्लंघन **मुकदमें** • विनियामक तथा न्यायिक-कल्प प्राधिकरणों के समक्ष कार्रवाई सहित विवादों का निर्धारण और कोई संकटकालीन मुकदमा • बचाव में की गई कार्रवाई • विवाद का विषय की दृष्टि से निर्धारण • प्रतिकूल निर्णयों के प्रभ्राव का मूल्यांकन – मौद्रिक रूप से और व्यवसायिक तौर पर • जोखिम के मूल्यांकन पर परामर्शदाता की समीक्षा
छानबीन का लक्षित उपयोग	• बाजार परिपार्टियों तथा विधिक आवश्यकताओं के आलोक में जोखिमों की पहचान और उन्हें कम करना • सौदे की संरचना मे परिवर्तन • मूल्य समायेाजन • शर्तों के पूर्व-उदाहरण

	• प्रतिवेदन तथा गारंटियां • प्रकटीकरणों का सत्यापन • खरीद मूल्य बनाए रखने • क्षतिपूर्ति • सौदे के समापन के पश्चात शर्तें